



# ICAR-ATARI, Kanpur

## Newsletter



भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर

ICAR-AGRICULTURAL TECHNOLOGY APPLICATION RESEARCH INSTITUTE, KANPUR

Volume IX

October-December, 2017

### राष्ट्रीय महिला किसान दिवस



महिला कृषकों को कुपोषण से किस तरह बाहर आये, इस सम्बन्ध में जागरूक कराया, साथ ही साथ इस प्रकार के कार्यक्रम दूसरे प्रदेश में आयोजित कराये जाने पर भी जोर दिया।

श्रीमती अर्चना चिटनिस, माननीया महिला एवं बाल विकास मंत्री, म.प्र. ने भी कुछ निम्नलिखित बातें कही- महिलायें आज कृषि में सक्रिय हैं, वह घर की लक्ष्मी हैं इसलिए बेटी को पढ़ाना एवं बचाना जरूरी है। जैविक खेती पर ज्यादा जोर देने की जरूरत है क्योंकि हमारी भूमि दिन प्रतिदिन रासायनिक खादों के उपयोग से उसकी उर्वरता खत्म होती जा रही है। उपज जरूर बढ़ रही है परन्तु खेत बीमार पड़ रहे हैं, उसे बचाना जरूरी है। हर शहर में न्यूट्रिशियन स्मार्ट विलेज बनाना आवश्यक है जिसमें पशुपालन एवं आई.एफ.एस. मॉडल से अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

श्रीमती कृष्णा राज, माननीया कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने इस कार्यक्रम दिवस पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं का अर्थव्यवस्था में 50 प्रतिशत योगदान है। साथ ही साथ यह भी कहा कि पशुधन एवं किसान का चोली-दामन का साथ है, तात्पर्य यदि हर किसान के पास पशु है तो वह कभी भूखा नहीं रहेगा। महिलाओं का स्थान सर्वोच्च है तथा इसे और सशक्त बनाने की आवश्यकता है जिससे जी.डी.पी. में सुधार आयेगा।



माननीय कृषि मंत्री, राधा मोहन सिंह जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में निम्नलिखित बातें कही-

- राजनीति में 30 प्रतिशत आवंटन महिलाओं को दिया जाय। बेटी पढ़ाओं, बेटी बचाओं यह माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी

आई. सी. ए. आर. नास्क काम्प्लेक्स, नई दिल्ली में भी राष्ट्रीय स्तर पर किसान महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि, माननीय श्री राधा मोहन सिंह जी, कृषि मंत्री, भारत सरकार थे। अन्य अतिथिगण श्रीमती कृष्णा राज, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्रीमती अर्चना चिटनिस, शिक्षा मंत्री, म.प्र., डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव कृषि अनुसंधान और शिक्षा एवं महानिदेशक, भाकृअनुप, डॉ. ए.के. सिंह, उप महानिदेशक, कृषि प्रसार ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव डेयर एवं महानिदेशक, भाकृअनुप, डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक, कृषि प्रसार, भाकृअनुप, श्रीमती अर्चना चिटनिस, माननीया शिक्षा मंत्री, म.प्र., श्रीमती कृष्णा राज, माननीया कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री, भारत सरकार, श्री राधा मोहन सिंह, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार एवं डॉ. वेद प्रकाश चहल, सहायक महानिदेशक कृषि प्रसार, भाकृअनुप इत्यादि उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलन एवं भाकृअनुप गीत के बाद स्वागत अभिभाषण डॉ. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक के द्वारा हुआ। इस समारोह का सम्बोधन डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव डेयर एवं महानिदेशक द्वारा हुआ। उन्होंने सभी कृषक महिलाओं एवं सभा में उपस्थित माननीय मंत्रीगण एवं अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने

का सपना है और हमें इसे पूरा करना है। 65 साल बाद औद्योगिक क्रान्ति हुई, पहले जो रिफॉर्म हुये वह सब अलमारी में बन्द थे जिसे हमारी सरकार ने उसे पुनः अलमारी से निकालकर खोल दिया।

- 3 साल में जो काम हो रहे है उसके परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। कृषि विज्ञान केन्द्रों की गति पहले से अधिक बढ़ गई है तथा कृषि में महिला सशक्तीकरण की अधिक आवश्यकता है।
- हर राज्य में माइक्रो क्रेडिट से महिलाओं को विभिन्न योजना से जोड़ दें। महिलायें सवेंदनशीलता का प्रतीक/उदाहरण होती है। महिलाओं को हैदराबाद स्थित मैनेज से जोड़ा जाय।
- ATMA योजना द्वारा हर राज्य में एक महिला होगी जो अपनी प्रसार क्षमता का विकास करेगी।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा सामुदायिक जमीन महिला समूह को 99 वर्ष के LEASE(बट्टा) पर दिया जाय।

- कृषि में महिलाओं को नव तकनीक से जोड़कर 2022 तक कृषक आय को दुगना करना है साथ ही हर योजनाओं में महिलाओं को प्राथमिकता मिलें।
- मछली पालन को मछली खेती से जोड़ा जाये।
- आज अपने मंत्रालय में 100 महिलायें है जिससे कि देश का विकास होगा। देश का हर किसान देश की रीढ़ है उससे ही देश सशक्त होगा।

इस कार्यक्रम में श्री एस. एन. येमुल, सी.टी.ओ. ने अटारी-कानपुर की ओर से भाग लिया | भोजन अवकाश के बाद तकनीकी सत्र की शुरुआत हुई | इसमें विभिन्न विषयों पर अलग अलग वक्ताओं ने लेक्चर दिया | अंत में कार्यक्रम का समापन उप महानिदेशक द्वारा हुआ | कार्यक्रम का धन्यवाद प्रस्ताव डॉ वेद प्रकाश चहल, सहायक महानिदेशक, कृषि प्रसार द्वारा हुआ |







केवीके कन्नौज



केवीके चित्रकूट

१५ अक्टूबर, २०१७ को महिला किसान दिवस के अवसर पर कृषि में महिलाओं के योगदान एवं पहचान पर उत्तर प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में संगोष्ठी का आयोजन किया। प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्रों में इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों को भी बुलाया गया एवं कुछ महिलाओं को कृषि क्षेत्र में अच्छे कार्य करने के लिए पुरस्कृत किया गया। विशिष्ट अतिथियों ने महिलाओं को संगठित होकर कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से कार्य करने को कहा। इससे ग्रामीण महिलायें अपने स्वरोजगार को नयी दिशा दे सकती है साथ ही प्रशिक्षण व तकनीकी सहयोग ले सकती है। इस दिवस पर महिलाओं को बताया कि यदि ग्रामीण महिलायें घर पर रहकर छोटे-छोटे कार्यों को व्यवसाय की दृष्टि से करें तो निश्चित रूप से महिलायें आत्मनिर्भर हो सकती है और आस-पास की महिलाओं को भी रोजगार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।



केवीके मैनपुरी

महिलाओं को खेती में कठिन एवं थकान वाले कार्य अधिक करने पड़ते हैं जैसे निकाई-गुड़ाई, धान की रोपाई बिजाई आदि इनसे महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है इन समस्याओं के निदान हेतु एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसमें महिलायें कृषि कार्य को नये यंत्रों के माध्यम से आसानी से कम समय में अधिक कार्य कर सकती है। इस अवसर पर विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषि में महिलाओं के योगदान पर एक फिल्म दिखाई गयी तथा कृषि कार्य में महिलाओं की भूमिका पर वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं कला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ पर प्रकाश डाला गया तथा स्वच्छता का प्रभाव और अभाव पर भी महिलाओं से जानकारी साझा की गई एवं सभी महिलाओं को अपने गाँव में नशामुक्ति के लिये जागरूक करने के लिए अलग-अलग उपाय एवं प्रेरणा की बात की।



केवीके बलिया

सन् २०२२ तक आय को दोगुना करने के लिए कृषक महिलाओं में कृषिगत विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और महिलाओं को कृषि को उद्योग को रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कृषि तथा कृषि से सम्बन्धित क्षेत्रों से जुड़ी एवं सफल महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

## IFS model review meeting and training cum workshop of horticulture

25-26 October 2017



Two days IFS model review meeting and training cum workshop of horticulture was organized at ICAR-ATARI, Kanpur on 25-26 October 2017.

In this two days programme Dr. S.K. Shukla, Principal Scientist CISH Lucknow and Dr. Omveer Singh, Head of KVK Meerut, Dr. Prem Singh PS. In this programme Dr. R.L. Meena, PS from IIFSR Modipuram, Meerut was chaired as a Chief Guest.

On the first day inaugural welcome address given by Dr. Atar Singh, PS under chairmanship of Director Dr. U.S. Gautam. Dr. S.K. Dubey, PS also participated in this workshop.

Dr. Atar Singh presented overall scenario of Horticulture and IFS model running of KVKs of Uttar Pradesh.

Dr. U.S. Gautam focused on Horticultural based protective cultivation and small-marginal farmer

Dr. S.K. Shukla presented new technology based horticulture cultivation and its success story. He has emphasized on methods of propagation, intercropping with high density and multi uses of many horticultural crops for increase income 3-4 times.

Dr. Om veer Singh also gave some key words which follow for doubling income.

Dr. Prem Singh also suggested that IFS model need to be resource recycle based and according to farmers need. IFS model should be diversified and maximum utilization of land without any degradation causes increase net income of farmer and balances the eco-system.

On this occasion Dr. L.R. Meena also delivered lecture on different IFS models for different agro-climatic zone in Uttar Pradesh. This is for small and marginal farmer.

At last, house suggested to have at least 5 days training on said subject at IIHR, Banglore for updating of new technologies.

Director ATARI said that KVK scientists will be deputed training at IIFSR, Modipuram, Meerut on IFS model.

At last meeting ended with vote of thanks by Dr. Atar Singh, PS (Agron)





## Mid Term Review Workshop of KVKs

Mid Term Review Workshop of KVKs was organised in three different locations namely at SVPUAT, Meerut during 2-3 November, 2017; ICAR-ATARI, Kanpur during 9-10 November, 2017 and KVK Pratapgarh during 14-15 November.

### **SVPUAT, Meerut : 2-3 November, 2017**



On the first day Dr. U.S. Gutam, Director highlighted the KVK monitoring system specially CSAUAT KVKs which are not up to mark. In this workshop Dr. S.K.Shukla, Principal Scientist CISH Lucknow, Dr. Omveer Singh, Senior Scientist Meerut and Dr. Prem Singh PS and Dr. Omveer Singh, Senior Scientist Meerut were also invited. Dr. R.L. Meena, PS IIFSR Modipuram Meerut was the Chief Guest.

In this workshop online training on PFMS (Public financial management system) was also given by ICICI Bank.

This workshop was inaugurated by Dr Gaya Prasad, Vice Chancellor, SVPUAT, Meerut. Dr. Atar Singh, Principal Scientist (Agron.) from ICAR-ATARI, Kanpur attended the different sessions. Director Extension, Director Research, Deans of different Colleges, Head of various departments were also participated in this workshop. Total 14 KVKs (13 KVKs of SVPUA&T and one KVK of IVRI, Bareilly) involved in this workshop.

In the different technical sessions, presentation of progress report for last six month (April-September, 2017) and action plan for the year 2018-19 has been presented by respective Head of KVKs. Doubling of farmers income by 2022 were also discussed during the workshop.

### **ICAR-ATARI, Kanpur : 09-10 Nov, 2017**

In this workshop KVKs under jurisdiction of CSAUAT, Kanpur were participated. This workshop was represented by Dr. S.K. Dubey, Principal Scientists (AE) and Dr. Atar Singh, PS (Agron) from ATARI, Kanpur.



In the different technical sessions, presentation of progress report for last six month (April-September, 2017) and action plan for the year 2018-19 has been presented by respective Head of KVKs.

## KVK Pratapgarh: 14-15 November, 2017



This workshop was organised at KVK Pratapgarh during 14-15 November, 2017. Total 27 KVKs under jurisdiction of NDUAT, Faizabad were participated in this workshop. Dr. A.D. Pathak, Director IISR, Lucknow inaugurated this workshop. Dr. Atar Singh, PS(Agron.) represented from ICAR-ATARI, Kanpur. Hon'ble Raj Kumari Ratna Singh, Chairman of KVK Pratapgarh also chair the session. She congratulates and welcomed all the participants of the workshop and expressed technologies developed by KVK Pratapgarh and functions of KVKs. Dr. O.P. Singh, Former DE, SVPUAT, Meerut also expressed his expert remark on farmers recognition and views on water conservation. Dr. Atar Singh also expressed on technology modules to enhance farmers income. Use of lazer leveler, mentha production, poultry, bee keeping and organic farming points covered in his talk. Dr. A.D. Pathak also request Heads of KVKs to promote cultivation of Sugarcane at farmers field as well as production of Gud for income generation.



In the different technical sessions, presentation of progress report for last six month (April-September, 2017) and action plan for the year 2018-19 has been presented by respective Head of KVKs.

### *General recommendation for all KVKs -*

- All treatments in OFTs & FLDs should be incorporated according to their priority thrust areas.
- Treatments in OFTs should be modified as per recommended IPM modules of Insect & Pest management.
- Title of the OFTs should be problem based and clear.
- Some Treatments proposed in OFT which has already been adopted by farmers should be modified and taken in FLDs
- In case of OFTs only two treatments should be included i.e. farmers practice and another best technological option according to their thrust areas for problem solving.
- OFTs and OFT in Animal Science and Home Science which has been already approved in workshop at KVK, Allahabad and ATARI Kanpur should be taken by concerned scientists.
- FLDs should be modified in cropping system mode as appropriate crop rotation in same field and data analysis for whole year.
- OFTs & FLDs should be conducted on soil test basis.
- In case of OFTs area should be manageable, it may be 100/200/400 sq. meter.
- IFS model should be incorporated as per available agro- climatic zone wise model.
- Latest Science-Led Technologies/ Varieties in OFTs & FLDs must be taken which should not be older than ten years.
- All the KVKs should made efforts through different agri. Techniques to enhance the farmers income double.
- INM should be emphasized based on soil test basis to support the doubling farmers income.



## Celebration of Agricultural Education Day

3<sup>rd</sup> December, 2017

ICAR-ATARI, Kanpur Celebrated Agricultural Education Day on 3<sup>rd</sup> December, 2017 to promote the Agricultural Education in the country on the occasion of birth date of Dr. Rajendra Prasad, First President of India.

In the Inaugural session Mr. S.N. Yemul, Chief Technical Officer welcomed the participants of CSAUAT, Kanpur student and highlighted brief introduction of the ICAR-ATARI, Kanpur. Dr U. S. Gautam, Director ICAR-ATARI, Kanpur welcomed Verma, Asstt. Professor, Deptt. of H.Sc. ECM College of Home Science. He highlighted each SAU has lot of scope to improve in sports, smart teaching (online), modernisation of Library etc. Some students were also given speech on 'Yuvaon ka krishi Shiksha ke prati Vichar'.

Dr. Verma also highlighted some qualities of the CSAUAT, Kanpur. On this occasion two events namely QUIZ and SPEECH competition were organized. Students who performed best in the events were awarded by giving certificates.

Finally, Mr. S.N. Yemul, CTO concludes the session and given the vote of thanks.



Group photo



Quiz session



Prizes distributed by Director, ATARI



Students in the talk event

# विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस

०५ दिसम्बर २०१७

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नयी दिल्ली के तत्वाधान में भाकृअनुप-कृषि प्राद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर के नेतृत्व में आयोजित उत्तर प्रदेश के ५८ कृषि विज्ञान केन्द्रों में दिनांक ०५ दिसम्बर २०१७ को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र, बाराबंकी में कार्यक्रम का उदघाटन राज्य के माननीय कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी ने किया। आयोजित कार्यक्रम में किसानों को ३०० मृदा स्वास्थ्य कार्डों का वितरण किया गया व कुल ५२५ किसानों ने भाग लिया तथा क्षेत्र के मा. सांसद महोदय, मा. विधायक एवं कुलपति, नरेन्द्र देव कृ.वि.वि., निदेशक अटारी कानपुर, डॉ. यु. एस. गौतम व निदेशक प्रसार, नरेन्द्र देव कृ.वि.वि. तथा जनपद के कृषि व अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे। इसी प्रकार अन्य ५८ कृषि विज्ञान केन्द्रों में भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जनपदों के माननीय सांसद एवं मा. विधायक मौजूद रहे। कार्यक्रम में जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों कृषि अधिकारियों/कर्मचारियों, तथा बैंकों के कार्मिकों की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर केवीके द्वारा कृषि प्रदर्शनी व विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये कृषि उत्पादों के स्टालों का प्रदर्शन भी किया गया तथा किसानों को नयी तकनीकी, खाद का प्रयोग, उसका समुचित मात्र में इस्तेमाल, मृदा परीक्षण; उसकी उपयोगिता, उसमें निहित पोषक तत्वों के प्रभाव, उनकी कमी या अधिकता से होने वाले मृदा पर प्रभाव में विस्तृत जानकारी दी गयी जिससे किसानों को कम लागत पर अधिक आय हो सके व किसानों की आय को २०२२ तक दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।



कन्नौज



कानपुर देहात



सीतापुर--II



बाराबंकी



Grading of KVKs of Uttar Pradesh by  
NILERD, NITI AAYOG, Govt. of India,  
New Delhi

11 December, 2017



A meeting was held on 11.12.2017 in the presence of Dr U.S. Gautam Director ICAR-ATARI-Kanpur; Dr. M.R. Prasad, Director, NILERD, New Delhi and Dr. V.K. Saxena, Asstt. Director (Research), NILERD, New Delhi; Dr. Atar Singh, PS(Agron.); Dr. S.K. Dubye, PS(AE); S.N. Yemul, CTO of this institute and selected KVKs were also present in the meeting.

At the outset Dr US Gautam welcomed the NILERD officials and extended his gratitude for making visit to selected KVKs namely Mahoba, Hamirpur (Both under BUAT, Banda); and Bareilly (under ICAR-IVRI, Bareilly). Dr. Gautam expressed his satisfaction for getting maximum no. of KVKs from Uttar Pradesh under grade 'A', however he expressed his concern for KVK Mohoba getting 'D' rank and both the KVKs Hamirpur and Bareilly each getting 'C' rank.

Dr. Pradsad, narrated his experiences of visiting several KVKs countrywide. He expressed his satisfaction for the works being done by those KVKs which are science driven and farmer centred. However, many of the works done by the KVKs remained unnoticed because of improper documentation and reporting by them. He also expressed his concern for KVKs being given multiple additional responsibilities besides their mandated activities.

After thorough discussion, points emerged for betterment of the above KVKs of Uttar Pradesh who have been awarded with grades 'C' and 'D' which may help in elevation of their rank.

• **KVK Mohoba and Hamirpur:** With respect to these KVKs the experiences of visits made by Dr. V.K. Saxena was in sharp contrast with the report submitted by the KVK Head for grading.

• **KVK Bareilly:** This centre under the host institution of ICAR-IVRI, Bareilly was also awarded with grade 'C'. On discussion house agreed that this KVK has maintained its instructional farm in best possible condition, laboratories in working order and demonstration units in functional condition. KVK is sincerely implementing all the mandated activities timely. However, a very casual approach was noticed by the KVK in filling up the grading Performa which was submitted as such to NILERD. As a result the centre was given 'C' grade. It was also suggested by the house that the host institute must develop the mechanism for regular and effective monitoring of KVK by the Directorate of Extension of the institute and ensure timely and quality reply to any such information sought by the ICAR besides fostering team spirit among the staff of the centre for its effective performance.



## Meeting on Digitization & online monitoring of KVKs

19 December, 2017

A meeting on Digitization and online monitoring of KVKs was held under chairmanship of Director Dr. U.S. Gautam on 19 December, 2017. In this meeting Dr. S.K. Dubey, PS; Shri S.N. Yemul, CTO; Shri V.D. Shukla, YCP-II; Shri K.K. Bajpai, YCP-I; Shri Shraavan Kumar Yadav, LDC and IT expert were participated. Following important points/objectives on ICAR-ATARI, Kanpur Mobile App were discussed -

- ❑ To design and develop a custom Android Mobile Application for ICAR-ATARI, Kanpur's Domain & all KVK's. The said Mobile Application will be designed to ultimately drive Farmers retention for ICAR-ATARI, Kanpur & their KVK's.
- ❑ To promote app page through Social Media like Facebook, Google etc..
- ❑ Increase communication with farmers through dynamically updatable information.
- ❑ Provide instant communication with farmers through unlimited push notifications.
- ❑ Facilitate easily obtainable directions make the app user friendly as per clients requirement.

On this occasion house also suggested to give name of Mobile App as **"UP-dKVK"**.

IT expert suggested basic needs of this App as follows -

1. App Development for Farmer Intraction
2. Android App Development (Native)
3. 3 Pannels (Farmers, KVK & Admin)
4. With 2 Way Text & Audio Communication
5. Image attachment Processing.
6. Google Push Messages Service integration.
7. Play Store Submission with Periodic Updates for

8. Google & Android Services & API's.
9. Clients Location Tracking Service
10. Web Admin Console
  - Domain Name Registration and Cloud Hosting for App
  - Farmer Information, Crops Information & Catalogue, Crops maintenance Guide, Farming Instructions & Updates

On this occasion, it was also suggested to include two way working facilities i.e. on farmer end and another is on KVK scientists end. Standard technical features and Admin features were also discussed in this meeting.



## Scientific Advisory Committee Meetings (SACs) organised during the quarter

- (1) 9 October, 2017 at KVK Etah attended by Dr. Atar Singh, PS(Agron)
- (2) 11 October, 2017 at KVK Sitapur-1
- (3) 13 October, 2017 at KVK Unnao attended by Dr. S.K. Dubey, PS(AE)
- (4) 14 October, 2017 at KVK Agra attended by Dr. Atar Singh, PS(Agron.)
- (5) 7 November, 2017 at KVK Kaushambi
- (6) 10 November, 2017 at KVK Pratapgarh attended by Dr. Atar Singh, PS (Agron.)
- (7) 13 November, 2017 at KVK Allahabad
- (8) 7 December, 2017 at KVK Ghaziabad
- (9) 8 December, 2017 at KVK Hardoi
- (10) 13 December, 2017 at KVK Baghpat
- (11) 14 December, 2017 at KVK Chitrakoot
- (12) 14 December, 2017 at KVK Saharanpur



## दैनिक जागरण की ओर से “आधुनिक अन्नदाता महाभियान” की शुरुवात



मिट्टी, वायु, जल, पर्यावरण और पारिस्थितिक तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए किसानों को समर्पित दैनिक जागरण के आधुनिक अन्नदाता महाभियान का शुभारम्भ शनिवार १६ दिसंबर, २०१७ को हुआ। इस अभियान में आनेवाली पीढ़ियों को भी रसायन यानि जहर मुक्त खाद्य पदार्थ की खेती करने की जानकारी दी जाएगी। इसका शुभारम्भ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व जिले के सांसद डॉ. महेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया। चीफ एडिटर श्री शुक्ल जी, चड्ढा जी एवं चंदौली प्रखेत्र के सभी दैनिक जागरण के अधिकारियों ने सभी का एक तुलसी का पेड़ देकर स्वागत किया।

इस महाभियान में आई.सी.ए.आर.-अटारी की ओर से डायरेक्टर डॉ. यु.एस.गौतम ने अपने भाषण में कहा की रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से मिट्टी की सेहत बिगड़ रही है। अधिक उत्पादन की चाहत में किसान खेतों में अंधाधुन्द रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कर रहे है। इससे मिट्टी में मौजूद पोषक तत्व दिन प्रतिदिन नष्ट होने से मिट्टी की सेहत खराब होती जा रही है यदि आने वाले दिनों में भी यही हल रहा तो खेत की उर्वरा शक्ति ही समाप्त हो जायगी। किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जाँच को करना आवश्यक हो गया है।

उन्होंने जागरण के आधुनिक अन्नदाता कार्यक्रम की मुक्तकंठ सराहना की। कहा जागरण का यह अभियान कृषि के क्षेत्र में मिल का पत्थर साबित होगा। मिट्टी जाँच से कृषि क्षेत्र को तो बढ़ावा मिलेगा ही किसानों की आय भी दोगुनी होगी।



चंदौली : लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज, नियामताबाद में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद डॉ. महेन्द्रनाथ पाण्डेय

## Quarterly Progress Report of KVKs (October – December, 2017)

1.	<b>On Farm Trials</b>	KVKs have being working on 304 OFTs with 1551 beneficiaries
2.	<b>Frontline Demonstrations</b>	KVKs have performed 17123 FLDs on 4360.74 ha area (Oilseed: Farmer-3305, area-1051.46; Puses: Farmer 7151, area - 216.90; Other crops: Farmers-6676, area-221.90)
3.	<b>Trainings</b>	KVKs have given total 1694 training for total 37446 farmers and farm women including extension functionaries (Farmers & farm women: courses-1593, participants-34800; Extension Functionaries: courses- 207, participants-5432)
4.	<b>Extension activities</b>	KVK have organised total 28800 extension activities with 11.02 lakh participants. Major events includes field days, kisan mela, exhibitions, diagnostic visits, advisory service, kisan gosthies, camps, workshop-meetings etc.
5.	<b>Soil sample testing</b>	KVKs have performed total 15292 soil sample test for 22172 farmers.
6.	<b>Seed production</b>	KVKs have produced 6762.14 quintals of seed . It includes cereals oilseeds, pulses, fodders, vegetables, spices etc.
7.	<b>Sapling production</b>	KVKs have produced total 46078 samples which includes fruit, vegetables, medicinal plants, flowers and ornamental plants.
8.	<b>Women in Agriculture</b>	Under home science activities, total 232 courses have been conducted so far with 4408 beneficiaries. Subjects includes-drudgry reduction, protection from loss of food/produce, improvement in knowledge & skill of farm women, NHM and kitchen gardening.

One days meeting was organised at this institute from 26 November, 2017 to facilitate and guide the potential KVKs for the said award. For Zonal level eight KVKs namely, Sitapur-I, Unnao, Auraiya, Kanpur Dehat, Lucknow, Bijnour, Sultanpur and Kaushambi were invited to present their case for the Zonal Award and KVK Saharanpur and KVK Muzaffarnagar were called for presenting their documents for National Award. Every KVK was guided for their reported data for contesting for Zonal Award. They were suggested to make the report as objective,

implicative and practical as possible. Based on the suggestions and guidance four KVKs namely, Lucknow, Kaushambi, Bijnour and Unnao submitted their document for the Zonal Award and KVKs of Muzaffarnagar and Saharanpur submitted their document for National Award which were further forwarded to the council after doing the needful in Zonal Screening Committee constituted for this purpose at this institute.

Drs. U.S. Gautam, Atar Singh and S.K. Dubey were present during this felicitation.

### **dKVK : An ICT enabled Model for digital empowerment of KVK**

Managing the data and information at the faster rate by any organization/institution is the important indicator of their effective performance. The modern era of information and communication technology offers an array of technologies, software and tools which can facilitate for speedy digitization of data and information of any organization which may be equally applicable to the KVKs operating in all ATARIs.

The domain of data and information of any KVKs are multi-dimensional. These include the information related to the KVK personnel, infrastructure, assets, geo and demographic indicators of the operational villages, technical details and their implementation as well as impact of the mandated activities, fund inflow under various heads, budget utilization pattern & the accounts auditing and other miscellaneous but relevant information pertaining to KVKs

With the given level of manpower, expertise and related logistics, it is mammoth task for any KVK as well as whole system in the ATARIs to effectively manage the data and information. Keeping in the view of vast working culture of ATARIs and KVKs it needs to have digitize information management system for the Krishi Vigyan Kendras (dKVK) in the country so that one can retrieve data systematically and efficient way for manipulation of data, reporting and representation of data at use end.

The initiatives have resulted into on-line monitoring of KVKs for MPR, QPR, PMO and APR. Also, the old records of KVKs in terms of administrative, financial and accounts have been digitized for efficient storage, retrieval and use.

*Published by*

**Director, ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute, Kanpur-208 002**

**Chief Editor : Dr. U.S. Gautam, Director**

**Editors: Dr. Atar Singh, Principal Scientist (Agron), Dr. S.K. Dubey, Principal Scientist (AE),  
Mr. Yemul Sanjeev N., Chief Technical officer,**

**Assistance : Mr. Rajeev Singh (SRF), Mr. Maneesh Kumar Singh (SRF), Dr. Chandan Singh (SRF), Mr. Manoj Kumar(SRF),  
Mr. Vivek Yadav, Ms Vaishnavi Rai, Mr. Vishal Kumar Singh, Mr.V.D. Shukla, Er. K.K. Bajpai**